वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 23 | सोमवार 22 मई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आम जिंदगी में रोमांस करने का मौका नहीं मिला : नवाजुद्दीन

...ऐसे में मैं फिल्मों में रोमांस कर लेता हूं

जयपुर. कासं। बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन अपनी अपकमिंग फिल्म 'जोगीरा सारा रारा' के प्रमोशन के लिए जयपुर आए। उन्होंने पत्नी से विवाद के बाद पहली बार मीडिया से कहा- असल में मेरी आम जिंदगी में मुझे कभी रोमांस करने का मौका नहीं मिला, ऐसे में मैं फिल्मों में रोमांस कर लेता हूं। पत्नी से विवाद के बीच तकरीबन एक साल बाद नवाजुद्दीन बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। नवाज के साथ इस फिल्म में नेहा शर्मा मुख्य भूमिका में है। इनके अलावा संजय मिश्रा, जरीना वहाब और महाक्षय चक्रवर्ती भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन कुशन नंदी ने किया है। नईम ए सिद्दिकी ने इसके प्रोड्यूसर हैं। नवाजुद्दीन जयपुर में वैशाली नगर स्थित एक निजी संस्थान पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपने अनुभवों को साझा किया। अपने दर्द को कैसे बाहर निकालते हैं, इस सवाल पर नवाजुद्दीन सिद्दिकी ने कहा- मैंने अधिकांश इंटेंस वाले किरदार प्ले किए हैं। शूटिंग के बाद उस किरदार से बाहर निकलने के लिए मुझे राजस्थान के रेगिस्तान की जरूरत पड़ती है। मैं कुछ दिन रेगिस्तान के बीच में बिताता हूं। वैसे ही मेरे अंदर के दर्द को यहां की रेगिस्तान की रेत सोंख लेती है। कई कई बार तो ऐसा लगता है कि मेरा पहला जन्म यहीं हुआ था। शायद इसलिए मैं खींचा चला आता हूं। राजस्थान मुझे अपना सा लगता है।

थिएटर के अच्छे दिन के लिए, टिकट सस्ती होनी चाहिए

नवाज ने कहा- आज यह सही है कि हम मोबाइल पर डिपेंड हो गए है, हमें स्क्रॉल करते हुए फिल्मों के ऑप्शन मिल रहे हैं। थिएटर से दूर हो रहे हैं। हमें इसे सही करना है, तो सबसे पहले थिएटर की महंगी दरों को सस्ती करनी होगी। थिएटर की इस वक्त सबसे बड़ी प्रॉब्लम ऑडियंस बन रही है। टिकट महंगे हो रहे हैं तो लोगों ने मोबाइल में देखना शुरू कर दिया है। बड़ी स्क्रीन आपको एक अहसास देकर जाती है। हमने बड़ी स्क्रीन पर फिल्म देखी तो एक्टर बन पाए। अगर कोई एक्टर बनने की इच्छा रखता है या इस इंडस्ट्री में आना चाहता है तो उसे बड़ी स्क्रीन पर ही फिल्म देखनी चाहिए।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी का तीसरा दीक्षान्त समारोह

मेहंदीपुर बालाजी के महंत व फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया के प्रेसीडेंट को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

जयपुर. शाबाश इंडिया

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी का तृतीय दीक्षांत समारोह रविवार को जयपुर के मानसरोवर स्थित दीपशिखा कॉलेज के कैंपस में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मेहंदीपुर बालाजी के महंत नरेश पुरी महाराज एवं फार्मेसी काउन्सिल ऑफ इण्डिया नई दिल्ली के प्रेसीडेंट डॉ. मोन्टू कुमार पटेल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि दी गई। राजस्थान के शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किये। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और केबिनेट मंत्री डॉ. महेश जोशी का शुभकामना संदेश के रूप में वीडियो प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान के शिक्षा मंत्री बी डी कल्ला, डीजीपी उमेश मिश्रा, सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

20 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि

दीक्षांत समारोह में जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी जोधपुर के पूर्व कुलपति डॉ. पी.सी. त्रिवेदी, एआईसीटीई के पूर्व वाईस चेयरमैन डॉ. एम.पी. पूनिया, कॉलेज एज्युकेशन कमिशनर सुनील शर्मा, विश्व हिन्दी साहित्य परिषद् के चांसलर और कानुनविद् डॉ. एच.सी. गणेसिया, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के चेयरमैन और चांसलर प्रेम सुराना, वाईस चेयरमैन डॉ. अंशु सुराना, कुलपति डॉ. वी.एन. प्रधान ने 20 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की। वहीं विभिन्न संकायों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 35 विद्यार्थियों को मेडल प्रदान करके सम्मानित किया गया।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस-बीजेपी एक- नवीन पालीवाल:बोले...

भ्रष्ट अधिकारियों की संपत्ति कुर्क करे सरकार, यादव तो सिर्फ छोटी मछली

जयपुर. कासं। जयपुर के योजना भवन के बेसमेंट से करोड़ों रुपए की नकदी और सोना बरामद होने के बाद विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने इस पूरे भ्रष्टाचार के लिए कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी दफ्तर लूट का अड्डा बन चुके हैं। लेकिन मुख्यमंत्री आंखें मूंद बैठे हैं। पालीवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में गहलोत सरकार ने पिछले 4 सालों में नए कीर्तिमान बनाए हैं। एसीबी हर साल करीब 500 भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर मुकदमे दर्ज करती है। लेकिन भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों पर कोई कठोर कार्रवाही नहीं की गई। इस बार भी भले ही एसीबी ने आरोपी वेदप्रकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया हो। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है, क्यों कि यादव तो महज छोटी मछली है। जबकि इस पूरे प्रकरण में और कितने लोग शामिल हैं। इसकी निष्पक्ष जांच के बाद उनपर भी सख्त से सख्त करवाई कि जानी चाहिए।

श्रुत आराधना का महापर्व...श्रुत पंचमी

आलेख : शिक्षा गौरव
विद्यारत्न प्रतिष्ठाचार्य डॉ
विमल कुमार जैन

शब्द ब्रह्म अनादि निधन है।वह स्यात्कार पद से चिन्हित होने से द्वादशांग रुप है। यद्यपि यह अनादि काल से प्रवाह रुप से चला आ रहा है और अनंत काल तक विद्यमान रहेगा,न इसका आदि है न अंत, फिर भी तीर्थंकरों की दिव्य देशना की अपेक्षा से यह सादिसान्त भी है। तीर्थंकर देव की दिव्यध्वनि प्रतिदिन पूर्वाह्न, मध्यान्ह, अपराह्न और अर्द्धरात्रि में ऐसे चार बार छह..छह घड़ी पर्यन्त खिरती रहती है। यह दिव्य ध्वनि सात सौ लघुभाषा और अठारह महाभाषा में खिरती है। अथवा वह सर्वभाषा रुप है? क्योंकि समवशरण में उपस्थित सभी देव, मनुष्य और तिर्यंच अपनी.. अपनी भाषा में इसे समझ लेते हैं। तीन लोक में चर..अचर वस्तुयें हैं। इन सभी के अतीत काल को, वर्तमान काल को और भविष्य में होने वाले अनंत काल को केवली भगवान एक समय में एक साथ ही देख लेते हैं और जान लेते हैं। इसीलिए उनका वह दिव्यज्ञान अथवा केवलज्ञान कहलाता है।केवली भगवान सब कुछ जान रहे हैं किन्तु उनकी दिव्यध्वनि में उतना प्रतिपादित नहीं हो सकता जितना वे प्रतिपादित करते हैं।गणधर देव उतने सबको अपने क्षयोपशम ज्ञान से ग्रहण नहीं कर सकते हैं और जितना वे समझ सकते हैं उतना वे कह नहीं सकते, जितना कह सकते हैं उतना वे श्रुत रुप से निबद्ध नहीं कर सकते हैं, जितना वे निबद्ध कर सकते हैं वह सब द्वादशांग रुप से जैन वाड़यमय में प्रसिद्ध (विद्धमान) है। आचार्य श्री यतिवृषभ ने तिलोयपण्णति में कहा है कि..जिस दिन भगवान महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ उस दिन उनके प्रधान शिष्य गौतम गणधर को केवलज्ञान प्राप्त हुआ। जब गौतम स्वामी सिद्धत्व को प्राप्त हो गये तब सुधर्म स्वामी को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई और जब सुधर्म स्वामी को मोक्ष प्राप्ति हुई तब जम्बूस्वामी अन्तिम श्रुतकेवली हुए।सभी तीनों को प्रातः(प्रत्यूष)काल की वेला में मोक्ष प्राप्ति व सायंकाल केवलज्ञान की प्राप्ति हुई ये तीनों ही अनुबद्ध केवली थे।इस प्रकार 62 वर्षों तक (12+12+38) तीनों केवलियों की ज्ञान ज्योति प्रकाशित होती रही। इसके पश्चात पांच श्रुत केवली हुए जिनमें 14 वर्षों तक विष्णुनन्दि,16 वर्षों तक नन्दिमित्र,22 वर्षों तक अपराजित,19 वर्षों तक गोवर्द्धन और 29 वर्षों तक भद्रबाहु ने (100 वर्षों तक)ज्ञान ज्योति को प्रज्ज्वलित रखा। भगवान महावीर की वाणी श्रुत (मौखिक)रुप में थी,जो अंतिम केवली जम्बूस्वामी तक निरन्तर प्रवहमान रही। भद्रबाहु अन्तिम श्रुतकेवली थे इनके पश्चात क्षयोपशम ज्ञान की मन्दता.हीनता बढ़ने लगी अतः बुद्धि की क्षीणता से अंगों एवं पूर्व ज्ञान का ह्रास होने लगा।वीर निर्वाण के 683वर्ष व्यतीत होने पर अंगों और पूर्व के शेष ज्ञान के भी लुप्त होने का प्रसंग आया तो सोरठ देश के महागिरि गिरनार पर्वत की गहरी चन्द्रगुफा में अन्तर्मग्न आचार्य धरसेनस्वामी का ध्यान रात्रि के अंतिम प्रहर में भग्न हुआ तो वे श्रुत परम्परा की सुरक्षा के विकल्प से उद्विग्न हो उठे। वे विचार करने लगे कि बुद्धि के निरन्तर ह्रास के कारण भगवान महावीर स्वामी की श्रुत परम्परा अब केवल सुनकर सीखने के आधार पर नहीं चल सकती है अतः उसे लिपिबद्ध करना आवश्यक हो गया है। आचार्य धरसेन अंग परम्परा के अंतिम पारगामी थे,वे निमित्त ज्ञानी व श्रेष्ठ मंत्र ज्ञाता भी थे, अतः उन्होंने अपनी आयु का अत्यल्प समय जानकर शेष श्रुतज्ञान की सुरक्षार्थ महिमा नगरी में चल रहे मुनि सम्मेलन को एक पत्र प्रेषित कर समस्त मुनिराजों को नमन-वंदन करते हुए निवेदन किया कि-मेरी आयु अत्यल्प है, मेरे पश्चात श्रुत का विच्छेद हो जावेगा अतः श्रुत को धारण करने वाले दो प्रज्ञावान शिष्यों को शीघ्र भिजवाने का अनुग्रह करें। मुनि सम्मेलन आचार्य धरसेनस्वामी के पत्र का अभिप्राय ज्ञात कर महासेनाचार्य ने दो प्रज्ञावान मुनियों को भेज दिया।कुछ दिनों पश्चात रात्रि के अंतिम प्रहर में धरसेनाचार्य ने स्वप्न में कुन्दपुष्प,चन्द्रमा,शंख सदृश शुभ्र श्वेत वर्ण युक्त सुन्दर दो युवा वृषभों को तीन प्रदक्षिणा कर चरणों में नमीभूत होते देखा। आचार्य अत्यंत हर्षित हो निद्रा से उठकर **'जयदु सुद देवदा'** अर्थात श्रुतदेव जयवन्त हों ऐसा कहकर सन्तुष्ट हुए।प्रातःकाल ही योग्यतम शिष्यों को देख अत्यंत प्रसन्न मन से श्रुत को लिपिबद्ध करने का आदेश दे दिया। पूज्य आचार्य के आदेश की पालना करते हुए आचार्य पुष्पदंत और आचार्य भूतबली ने आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ग्रन्थराज षट्खंडागम की रचना की। यह ग्रंथ.. जीवट्ठाण,खुद्दाबन्ध,बंधसामित्तविचय,वेयणा, वग्गणा और महाबन्ध नामक छह खण्डों में विभक्त होने से षट् खंडागम कहा जाता है।ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के दिन इस श्रेष्ठ ग्रंथ का षट्खंडागम रुप प्रथम श्रुतस्कन्ध का अवतरण हुआ। भूतबली आचार्य ने इसे पुस्तकारुढ़ करके चतुर्विध संघ के साथ महामहोत्सव मनाकर अत्यंत हर्षोल्लास से पूजा विधान कर भव्यातिभव्य महामंगल महोत्सव मनाया। ऐसे परम उपकारी आचार्य धरसेनस्वामी व पुष्पदंत भूतबली आचार्य का समग्र जैन समाज पर उपकार है,जो आज श्रुत देवता के रूप में हमें यह अमोघ रत्न षट्खंडागम के दुर्लभ दर्शन हो रहे हैं। किन्तु खेद है कि आज समग्र समाज जिनवाणी स्वाध्याय,पठन पाठन से दूर होता चला जा रहा है। श्रुतपंचमी के रूप में विख्यात यह महापर्व हमें जाग्रत कर मां जिनवाणी की संरक्षा ,सुरक्षा के संकल्प की पूर्ति का स्मरण कराता है।आज आवश्यकता है जैन साहित्य , संस्कृति व अनमोल ग्रंन्थों की सुरक्षा की जो हमारी धरोहर है। आचार्य भगवंत टेर..टेर कर कह रहे हैं कि..हे! जिनवाणी मां के सपूतो आज आपके कन्धों पर यह भार है कि अपनी जननी व जिनवाणी मां के ऋण से कैसे उऋण हो सको? संसार..सागर में निमग्न प्राणी मात्र के लिए यह जिनवाणी (श्रुत)अमृत की भांति है जो अमरता प्रदान कराने में हमें सहायता करती है।अज्ञानता को दूर कर सम्यगज्ञान रुपी प्रकाश कराने वाला यही श्रुत,(जिनवाणी) है। **कहा भी है,.. 1.जिनवाणी जग मैय्या जनम दुःख मेट दो। 2.. यहां वहां जहां तहां मत पूछो कहां कहां है जिनवाणी मां..3..माता तू दया करके कर्मो से छुड़ा देना।हम अपनी हर विपदा के लिए मां को पुकारते हैं और वह प्रतिसमय हमारी रक्षार्थ तत्पर रहती है, फिर हमारा मां के प्रति क्या कर्त्तव्य है? विचारणीय है।** आज मन्दिरों की अलमारियों में कैद मां जिनवाणी को स्वतन्त्र कराकर स्वाध्याय,चर्चा, वचनिका से स्वपरोपकार की अलख जगा सकते हैं।हम मात्र पूजा पाठ के कर्म काण्ड में उलझकर रह गये है,इसका तात्पर्य यह नहीं कि पूजा पाठ का निषेध है। यहां मात्र मेरा कहना मात्र कोरी क्रिया से है,ज्ञान पूर्वक क्रिया फल प्रदायनी होती है। अतः पूजा पाठों में समाये हुए अध्यात्म रुपी नवनीत को प्राप्त करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है तभी हम सच्चे अर्थों में जिनवाणी सेवक, जिनवाणी मां के सपूत कहलाने योग्य है।आज इसकी महती आवश्यकता है।पंचपरमेष्ठी रुप णमोकार महामंत्र जिसे विश्वशांति मंत्र के नाम से जाना जाता है इसी षट्खंडागम ग्रन्थ का मंगलाचरण है। षट्खंडागम का उद्गम महाकर्म,प्रकृतिप्राभृत के चौबीस अनुयोग द्वारों से भिन्न-भिन्न अनुयोग द्वारा एवं उनके अवान्तर अधिकारों से हुआ है। षट् खंडागम ग्रन्थ पर कलिकाल सर्वज्ञ आचार्य कुन्दकुन्द, आचार्य समन्तभद्र जैसे समर्थ आचार्यों ने टीकाएं लिखकर हमारा उपकार किया है। किन्तु खेद है कि वे आज तक अनुपलब्ध है। वर्तमान में आठवीं सदी के आचार्य वीरसेन स्वामी की धवला नामक टीका उपलब्ध है जो अत्यंत उपयोगी है। समग्र समाज आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत, आचार्य भूतबली के त्याग, तपस्या और पुरुषार्थ का चिर ऋणी है जो ऐसा महान रत्न हमें हस्तगत हुआ। उनके पुरुषार्थ को कोटि-कोटि वंदन,नमन। अतः हमें संकल्प लेना चाहिए कि भगवान महावीर की वाणी को स्वाध्याय चिंतन.. मनन द्वारा श्रुत व लिपि के रुप में सुरक्षित संरक्षित करें। शास्त्र ही हमारा जीवन है। इसी मंगल भावना के साथ

अध्यक्ष
राजस्थान जैन साहित्य परिषद @
9414460694

श्रुत पंचमी के उपलक्ष्य में भव्य निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

24 मई तक निर्धारित विषय पर प्रतिभागी भेज सकते हैं निबंध

ललितपुर. शाबाश इंडिया। आगामी 24 मई को शास्त्र संरक्षण व ज्ञान आराधना का महापर्व श्रुत पंचमी हैं, इसके उपलक्ष्य में श्रमण रत्न सुप्रभसागर जी महाराज व नगर गौरव श्रमण रत्न प्रणतसागर जी महाराज की प्रेरणा से राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। निबंध प्रतियोगिता के निर्देशक व संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निबंध के विषय तीन ग्रुपों में बांटे गए हैं। पूर्वाचार्य समूह (45 से 65 वर्ष आयु) के लिए निबंध के विषय हैं श्रुत पंचमी महापर्व: हमारा कर्तव्य एवं दायित्व, बिगड़ती संस्कृति-बिखरते परिवार के कारण व बचाव, मोबाइल वरदान या अभिशाप, श्रुतधर आचार्यों की परंपरा एक दृष्टि, स्वाध्याय प्रभावक श्रमणाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज व्यक्तित्व- कृतित्व। श्रमणाचार्य विशुद्ध सागर समूह (30 से 44 वर्ष आयु वर्ग) के विषय हैं-हमारी संस्कृति और संस्कार -संरक्षण के उपाय, प्राकृत भाषा संरक्षण औरसंवर्द्धन के उपाय, महान पर्व श्रुत पंचमी एवं शास्त्र संरक्षण के उपाय,सोशल मीडिया का सदुपयोग कैसे करे, वर्तमान के संदर्भ में हमारे कुलाचारों की उपादेयता । विशुद्ध रत्न सुप्रभसागर समूह (19 से 29 वर्ष आयु वर्ग) के लिए बिषय हैं-इंटरनेट की उपयोगिता, संस्कारों का महत्व,आचार्य भूतभली एवं आचार्य पुष्पदंत का अवदान, श्रमण सुप्रभ सागर जी एवं उपनयन संस्कार,वर्तमान संदर्भ में श्रुत पंचमी और हमारे कर्तव्य।प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11000/- ग्यारह हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार :- 7100/-,तृतीय पुरस्कार 5100/-, सांत्वना पुरस्कार दस दिए जाएंगे जिसमें प्रत्येक को 1100/- राशि प्रमाण पत्र के साथ प्रदान किए जायंगे। सभी प्रतिभागियों को ई प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। निबंध श्रुत पंचमी 24 मई 2023 तक 9793821108,7020973672 व्हाट्सएप नंबर पर अथवा suneelsanchay@gmail.com, samyak.samadhana@gmail.com ईमेल पर भेज सकते हैं। परिणाम 28 मई को मुनि श्री सुप्रभ सागर जी ससंघ के सान्निध्य में घोषित किए जाएंगे। निबंध लेखन अधिकतम 800 शब्दों में हों। निबंध मौलिक होना चाहिए। दिए गए विषय में से किसी एक विषय पर निबंध लिखना है।

विशुद्ध रत्न सुप्रभसागर समूह (19 से 29 वर्ष आयु वर्ग) के लिए विषय हैं इंटरनेट की उपयोगिता, संस्कारों का महत्व,आचार्य भूतभली एवं आचार्य पुष्पदंत का अवदान

211 तीर्थ यात्रियों कि हुई सिद्धों की पावन भूमि शाश्वत तीर्थ श्रीसम्मेद शिखर की हर्षोल्लास से यात्रा सहर्ष सम्पन्न

गणिनी-आर्यिका विभा श्री माताजी जी से संघ के पावन सानिध्य में हुआ श्री कल्याण मंदिर महामंडल विधान

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

दूदू परिक्षेत्र के उरसेवा निवासी महावीर प्रसाद ,विनोद कुमार, कैलाश चंद पाटनी परिवार की अगुवाई में मदनगंज-किशनगढ़ सहित विभिन्न कस्बों, शहरों से गये 211 तीर्थ यात्रियों ने आज सिद्धों की पावन भूमि श्री सम्मेद शिखर क्षेत्र की हर्षोल्लास से यात्रा पूरी कर मदनगंज किशनगढ़ होते हुए उरसेवा पहुंचा, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आज श्रेत्र पर विराजित आर्यिका संघ विभा श्री माताजी के पावन सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य स्वतंत्र जैन भैया के दिशानिर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा , प्रसिद्ध गायक कलाकार अजित पांड्या कुचामन की टीम की अगुवाई में साज बाज एवं विभिन्न लहरियों के द्वारा भक्ति भाव से प्रातः बीस पंथी कोठी में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांति धारा के बाद श्री जी का दूध, दही, घृत,चंदन, केसर, सर्वोषधी,आम रस,ईक्षु रस, सहित विभिन्न फलों के रस से पंचामृत अभिषेक किया तथा अष्टद्रव्यों से पूजा करने के बाद में श्री कल्याण मंदिर महामंडल विधान की पूजा हुई जिसमें 151 इन्द्र इन्द्राणियों ने पूजा अर्चना में भाग लेकर पुण्यार्जन प्राप्त किया।गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में यात्रा संयोजक महावीर प्रसाद,विनोद कुमार पाटनी एवं केलास पाटनी उरसेवा का मुनिसुव्रत नाथ पंचायत मदनगंज किशनगढ़ कमेटी की कार्यकारिणी सहित सारे यात्रियों ने कार्यक्रम के आयोजक समस्त पाटनी परिवार का स्मृति चिन्ह, साफ,माला, दुपट्टा से स्वागत किया। पाटनी परिवार

ने सभी रिश्तेदारों एवं मित्र गणों का आभार व्यक्त किया उक्त समय महावीर प्रसाद, विनोद कुमार, कैलाशचंद, प्रकाशचंद, नेमीचंद, विमल कुमार, कमल कुमार, मुकेश काला, महेन्द्र कुमार , पिंटू पाटनी के अतिरिक्त संजय पापड़ीवाल, पारसमल पांड्या, विजय कासलीवाल, नरेन्द्र गंगवाल, दिलीप कासलीवाल, चेतन प्रकाश पांड्या, निर्मल पांड्या, प्रेमचंद बड़जात्या, सुरेन्द दगड़ा, सुभाष वैद, कमल रांवका, विमल पांपल्या, दिनेश पाटनी, अनिल गंगवाल (दांत्री), गौरव पाटनी, भागचंद बोहरा, सुभाष चोधरी, राकेश पाटनी, प्रवीण सोनी, पदमचंद बड़जात्या, अभिषेक छाबड़ा, नवीन काला, दिलीप काला, प्रदीप गदिया, प्रवीण पहाड़िया, भागचंद कासलीवाल, नरेश झांझरी, अशोक गोधा, अनिल बाकलीवाल, नरेन्द्र बाकलीवाल, पांचूलाल अजमेरा, ललित अजमेरा, निर्मल अजमेरा, राजाबाबू गोधा, बाबूलाल जैन, राहुल गंगवाल, सचिन सोनी, धर्मेंद्र बाकलीवाल,चिन्टू बाकलीवाल, निमित्त जैन माधोराजपुरा,प्रसिद्ध चिकित्सक डा. संजय सोगानी तथा संजय पांड्या खोरा बीसल आदि श्रद्धालु शामिल है।

शिखर कलशारोहण ध्वजादण्ड महोत्सव विश्व शांति महायज्ञ के साथ सम्पन्न

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं के द्वारा सेठ छिगन लाल कपूरचन्द जैन काला बंपूईवाला ट्रस्ट के तत्वावधान मे दो दिवसीय नवनिर्मित गुम्बज शिखर पर कलशारोहण एवं ध्वजादण्ड महोत्सव कार्यक्रम का शुभारम्भ शनिवार को सुबह बंपूईवालो के चेत्यालय पर बालाचार्य निपुर्ण नंदी महाराज ससंघ के सानिध्य मे सम्पन्न किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौला ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चन्द्र प्रभु की शांतिधारा के साथ किया गया जिसमें श्री जी का कलशाभिषेक एवं शांतिधारा करने का सोभाग्य शिखरचन्द जस्टिस नरेन्द्र कुमार सुरेश कुमार अजित कुमार जैन काला परिवार को मिला। इसके बाद श्रद्धालुओं ने देव शास्त्र गुरु पूजा , चंद्र प्रभु भगवान पूजा , शांतिनाथ पूजा , एवं नित्य नियम पूजा के साथ विश्व शांति महायज्ञ अनुष्ठान किया गया जिसमें सुरेश कुमार शास्त्री द्वारा हवन कुंड में आहुतियां दी।

वेद ज्ञान

आध्यात्मिक उपलब्धि

परमात्मा सभी सत्ताओं में व्यक्त और अव्यक्त रूप में विद्यमान है। इसी स्वाभाविकता के कारण वह सभी सत्ताओं में अपरिवर्तनीय रूप में विराजमान है। इस परम एकता की अवस्था में जब हम उन्हें देखने जाते हैं तो सारे वस्तु भेद मिट जाते हैं। वास्तविकता में आध्यात्मिक साधकों के लिए वह प्रथम और अंतिम शब्द है। पदार्थ विज्ञान विश्लेषणात्मक है। इसलिए पदार्थ पर शोध और अनुसंधान बाहर से होता है, किंतु जो अखंड है, उस क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए और आध्यात्मिक अर्थ ग्रहण करने के लिए अंतरविश्लेषण करना ही होगा, दूसरा कोई उपाय नहीं। यह ईश्वरीय सत्ता स्थायी रूप से सभी वस्तुओं में स्थित है और इसलिए उन्हें देखने के लिए स्वयं को सूक्ष्मतम में प्रतिष्ठित करना पड़ेगा, गहरे से गहरे में जाना पड़ेगा। जो सद्गुरु हैं, परम सत्य के ज्ञाता हैं, जिनसे हम ब्रह्म ज्ञान सीखेंगे, वे हमें समझा देंगे कि आत्मा मन के कई स्तरों से अत्यंत सूक्ष्म हैं। मन के ये स्तर परिवर्तनशील और क्षणजीवी हैं। आत्मा ही शाश्वत है। इसलिए आध्यात्मिक ज्ञान से जिस आनंद को हम प्राप्त करेंगे, वह शाश्वत आनंद होगा। इसलिए उसे 'ब्रह्मानंद' कहा जाता है। अस्थायी वस्तुओं से आनंद नहीं प्राप्त किया जा सकता है। अस्थायी और कालबद्ध वस्तुएं आएंगी और चली जाएगी, कभी वे हमें हंसाएंगी और कभी रुलाएंगी। वे कालबद्ध वस्तुएं कितनी भी प्रिय क्यों न हों, एक दिन वे निश्चित और असंदिग्ध रूप से हमें छोड़कर एक झटके के साथ हमें निकम्मा और भिखारी बना कर चली जाएंगी। वहीं परमात्मा हमें विलाप करने नहीं देंगे। वे शाश्वत हैं, चिरंतन हैं, अपरिवर्तनीय सत्ता हैं। यम कहते हैं, 'हे नचिकेता, परमपुरुष के साम्राज्य का महाद्वार आपके सामने खुला हुआ है। जिसने संपूर्ण रूप से मानस तत्वों का ज्ञान प्राप्त कर लिया है उसने विनाशशील और अविनाशी का भी ज्ञान प्राप्त कर लिया है।' मानसिक विकास के साथ-साथ जब कोई खंड सुख से अखंड सुख की ओर बढ़ता है तब उसे भौतिक सुख की अपेक्षा मानसिक सुख में ज्यादा रुचि हो जाती है। देश-प्रेम अथवा इसी तरह के सूक्ष्म सुख के लिए मनुष्य अपने जीवन का उत्सर्ग करने के लिए तत्पर रहते हैं।

संपादकीय

झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ने से नुकसान

पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का एक नुकसान यह भी हुआ है कि झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसके चलते उनमें कचरा जमा होता गया है। उनकी नियमित गाद निकालने की व्यवस्था न होने से वे उथली होती गई हैं। कई झीलों का पाट सिकुड़ता गया है। जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया की बड़ी झीलों पर भी नजर आने लगा है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है कि दुनिया की करीब आधी बड़ी झीलों का जलस्तर कम हो रहा है। ऐसे समय में जब पेयजल का गंभीर संकट महसूस किया जा रहा है और पानी के प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है, यह नया खुलासा और चिंता पैदा करता है। अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने लगातार अट्ठाईस सालों तक अध्ययन करने और उपग्रह से ली गई लाखों तस्वीरों के आधार पर यह खुलासा किया है। झीलों का जलस्तर कम होने की बड़ी वजह मानव उपभोग और बढ़ती गर्मी बताई गई है। इस तरह सरकारों और जल संचय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों के लिए यह चेतावनी की घंटी है।

झीलें एक प्रकार का प्राकृतिक जलाशय हैं, जिनके पानी का उपभोग पेयजल और उद्योगों आदि के काम में किया जाता है। जिस तरह नदियों का जलस्तर घटते जाने की वजह से दुनिया के अनेक शहरों में पेयजल का गहरा संकट पैदा हो गया है, उसी तरह झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा। झीलों, जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखते जाने को लेकर लगातार अध्ययन होते रहे हैं, उनके आंकड़ों से वजहें भी स्पष्ट हैं। मगर उनके संरक्षण को लेकर जिन व्यावहारिक उपायों की अपेक्षा की जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। झीलों का स्रोत आमतौर पर पहाड़ों से आने वाला पानी होता है। वह बर्फ के पिघलने या फिर वर्षाजल के रूप में संचित होता है। मगर जलवायु परिवर्तन की वजह से जिस तरह दुनिया भर में गर्मी बढ़ रही है, उसमें कई जगह पहाड़ों पर पहले की तरह बर्फ नहीं जमती और न पर्याप्त वर्षा होती है। फिर उनसे जो पानी पैदा होता है, उसका अनुपात बिगड़ चुका है। बरसात की अवधि कम और बारिश की मात्रा कम या अधिक होने से या तो झीलों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता या फिर बहुत कम समय में बहुत ज्यादा पानी इकट्ठा होकर नीचे की तरफ बह जाता है और फिर साल के बाकी दिनों में उनमें पानी न आने से उनका स्तर नीचे चला जाता है। दूसरा कारण पहाड़ों पर लगातार बढ़ रही पर्यटन संबंधी और औद्योगिक-वाणिज्यिक गतिविधियां हैं। हमारे यहां उत्तराखंड के पहाड़ इसके बड़े उदाहरण हैं। वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धसकने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध हुआ है। बहुत सारी झीलों के पानी का अतार्किक दोहन बढ़ा है। उनका बड़े पैमाने पर औद्योगिक इकाइयों के लिए इस्तेमाल होने लगा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आतंक पर वार...

तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का है और उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिल कर मुंबई हमले से संबंधित जानकारियां पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को पहुंचाई थीं। मुंबई हमले की साजिश रचने वालों में शामिल तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को अमेरिकी अदालत से मिली मंजूरी भारत की बड़ी कामयाबी कही जा सकती है। तहव्वुर को भारत लाकर पूछताछ से कई अहम खुलासे होंगे और इस तरह उस हमले के अन्य दोषियों को सजा दिलाने में मदद मिलेगी। उस घटना को करीब पंद्रह साल हो गए। उसमें एक सौ छियासठ लोग मारे गए और अनेक घायल हो गए थे। इस बात को लेकर अक्सर असंतोष प्रकट किया जाता है कि मुंबई हमले के दोषियों को सजा नहीं मिल पाई है। हालांकि उस हमले से जुड़े सारे तथ्य लगभग साफ हैं, मगर पाकिस्तान सरकार शुरू से ही इंकार करती रही है कि उसकी जमीन से इसकी साजिश को अंजाम नहीं दिया गया। यहां तक कि अजमल कसाब को भी उसने अपना नागरिक नहीं माना था। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का है और उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ मिल कर मुंबई हमले से संबंधित जानकारियां पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को पहुंचाई थीं। मुंबई हमले से कुछ दिन पहले वह खुद भी आकर उन जगहों को देख गया था, जहां हमले हुए। इस मामले की पुख्ता जानकारी अमेरिका सरकार को उपलब्ध कराई गई, तो तहव्वुर को गिरफ्तार किया गया। करीब तीन साल से वह अमेरिका की जेल में बंद है। हालांकि मुंबई हमले से जुड़े तमाम तथ्य अब उजागर हैं और वे सारे दस्तावेज पाकिस्तान को सौंपे भी जा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अनेक मौकों पर इसका खुलासा किया जा चुका है, मगर तहव्वुर से पूछताछ के बाद इन बातों की और पुष्टि हो सकेगी कि किस तरह लश्कर और पाकिस्तानी खुफिया एजंसी आइएसआइ भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देते रहे हैं। तहव्वुर अमेरिकी अदालत के सामने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर चुका है, अब भारतीय अदालत में पूछताछ के बाद उसकी सजा तय हो सकेगी। मुंबई हमला भारत पर हुए अब तक के सारे आतंकी हमलों में सबसे खौफनाक था। हमलावरों ने पाकिस्तान से मिल रहे निदेशों के आधार पर बेखौफ घूम-घूम कर हमले किए थे। वह दहशत का मंजर जिन लोगों ने देखा था, वे उसके बारे में सोच कर अब भी सिहर उठते हैं। इसलिए उस जघन्यतम कृत्य की कठोर से कठोर सजा की मांग की जाती रही है। उस हमले से जुड़े हर शख्स को सजा की अपेक्षा की जाती है। इस तरह तहव्वुर के प्रत्यर्पण से स्वाभाविक ही पीड़ितों ने राहत की सांस ली है। आतंकी साजिशों को अंजाम देने वाले अक्सर दूसरे देशों में पनाह लेकर महफूज महसूस करते हैं। तहव्वुर भी लगभग निश्चिंत था कि उस तक कानून के हाथ नहीं पहुंचेंगे, इसलिए कि पाकिस्तान सरकार खुद इस मामले में किसी तरह का सहयोग नहीं कर रही थी। दूसरे, वह अमेरिका में जा बसा था। मगर प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक अगर सरकारें संजीदगी से पहल करें, तो इस तरह के अपराधियों को पकड़ लाना मुश्किल काम नहीं। इसमें देर इसलिए लगी कि कई सरकारों, जांच एजंसियों और अदालतों को अपने-अपने स्तर पर काम करना था।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर के मेगा समर केम्प का हुआ समापन, प्रतिभागियों ने प्रशिक्षित होकर दिखाई प्रतिभा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय समर केम्प का समापन अरिहंत भवन में हुआ। केम्प संयोजक जितेन्द्र धारीवाल ने बताया की मेगा समर केम्प में 248 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया गया। जिन्हें सेल्फ डिफेंस - अतुल भाटी एवं सहयोगी, चॉकलेट मेकिंग - भाविका वासवानी, डांस - अंजलि बाबेल एवं सहायक खुशी बिनायकिया, ड्राइंग - रुचिका बुरड़ जैन, मेहंदी - सलोनी भण्डारी, म्यूजिक - राजेन्द्र बाडमेरा एवं सहायक, इंग्लिश स्पीकिंग - रीना दक, केक मेकिंग - सुमिता बाबेल, कैलीग्राफी - साक्षी वासवानी, मेक अप आर्ट - गिरिजा शर्मा द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। पुष्पेन्द्र चौधरी एवं कोमल मेहता ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के वाइस चेयरमैन विनोद चोरडिया, विशिष्ट अतिथि जोन चेयरमैन तेजमल बुरड़ एवं अतिथि जोन कोषाध्यक्ष महावीर बिनायकिया, गवर्निंग काउंसिल सदस्य धनपत श्रीश्रीमाल एवं राजेश रांका तथा ब्यावर शहर के गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी थे। मुख्य अतिथि विनोद चोरड़िया ने कौशल विकास केम्प के लिए रॉयल ब्यावर को बधाई देते हुए महावीर इंटरनेशनल के मूल मंत्र सबको प्यार सबकी सेवा को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक सेवा कार्य करने का आव्हान किया। ब्यावर शहर के सभी केंद्रों को और नए केंद्र जोड़ने का लक्ष्य बनाने का भी आव्हान किया। जोन चेयरमैन वीर तेजमल बुरड़ ने रॉयल के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए बताया कि अपने गठन के पचास दिवस में ही केंद्र ने सेवा कार्यों में नए आयाम स्थापित किये है। कौशल विकास हेतु सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन अपने आप मे अनूठा हैं। उन्होंने संस्था के रूपेश कोठारी को जोन का सहसचिव भी

नियुक्त किया। संस्था चेयरमैन अशोक पालडेचा ने प्रतिवेदन रखते हुए संस्था के सेवा कार्यों का विस्तृत ब्यौरा सभी के समक्ष पेश किया। इस अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा के लिये अपेक्स के प्रोजेक्ट कपड़े की थैली मेरी सहेली का भी विमोचन किया गया। अभिषेक नाहटा एवं दिलीप दक ने बताया कि समर केम्प में माई फाइनेंस क्लब लिमिटेड ब्यावर, मेहता फाइनेंस ब्यावर, महेन्द्र रांका, दिलीप श्रीश्रीमाल, विक्रम सांखला, प्रवीण बोहरा सोजत सिटी, अरिहंत मार्गी जैन महासंघ ब्यावर आदि के द्वारा भी अर्थ एवं अन्य सहयोग प्रदान किया गया। संस्था द्वारा सभी केम्प सहयोगियों का माला, शाल एवं मोमेंटो प्रदान कर अभिनन्दन किया गया। योगेंद्र मेहता एवं नरेन्द्र सुराणा ने बताया कि समारोह को सम्बोधित करते हुए इंदरसिंह बागावास, पारस पंच, ज्ञानचंद कोठारी एवं प्रवीण बोहरा ने संस्था द्वारा आयोजित इस शिविर एवम शिविर की अभूतपूर्व व्यवस्थाओं हेतू बधाई देते हुई सम्पूर्ण आयोजन टीम की प्रशंसा की तथा यह अपेक्षा जताई की आगे भी इस प्रकार के आयोजन करते रहे एवं जिसके लिए किसी भी प्रकार के सहयोग हेतु वो सदैव ततपर रहेंगे। बाबुलाल आच्छा एवं पूनम मकाना ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट, माई फाइनेंस की और से मोमेंटो, प्रवीण बोहरा की और से मेहंदी कोण, द एम्पायर सलून की और से गिफ्ट वाउचर, जीतो यूथ ब्यावर की और से बर्ड फीडर एवं समारोह में विमोचित कपड़े की थैली प्रदान की गई। समापन समारोह में प्रतिभागियों द्वारा दी गयी परफॉर्मेंस ने सभी का मन मोह लिया, जिसमें समृद्ध जैन द्वारा गायन, इति बिनायकिया ग्रुप द्वारा वाद्य यंत्र पर, खुशी बिनायकिया एवं ग्रुप द्वारा डांस, अंजलि बाबेल द्वारा नन्हे मुंन्हे बच्चों के साथ नृत्य एवं केक, चाकलेट, ड्राइंग, मेहंदी, कैलीग्राफी एवं सेल्फ डिफेंस के प्रतिभागियों द्वारा भी प्रस्तुति दी गयी। सचिव रूपेश कोठारी ने बताया कि समारोह में सभी प्रशिक्षकों एवं उनके सहयोगियों का शाल, माल, सर्टिफिकेट एवं गिफ्ट देकर बहुमान किया गया। मंच का संचालन अंजलि बाबेल द्वारा किया गया। अंत में सचिव रूपेश कोठारी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर इन्दरसिंह बागावास, पारस पंच, शशिबाला सोलंकी, अशोक पालडेचा, पंकज सकलेचा, दिलीप बी भण्डारी, रूपेश कोठारी, अभिषेक नाहटा, योगेंद्र मेहता, जितेन्द्र धारीवाल, पुष्पेंद्र चौधरी, दिलीप दक, बाबुलाल आच्छा, पूनम मकाना, कोमल मेहता, नरेंद्र सुराणा, राहुल बाबेल, रवि बोहरा, अमित बाबेल, अमित मेहता, ललित बोहरा, प्रदीप मकाना, श्रेणिक बिनायकिया, रोहित मुथा, मुकेश गांग, हेमन्त रांका, संदीप खींचा, कमल जालोरी, गौतम रांका, अक्षय बिनायकिया, हेमन्त रांका, संदीप खींचा, रोहित मुथा, मुकेश लोढ़ा, शानू सुराणा, पंकज दक, अशोक रांका, हेमेंद्र छाजेड़, नरेंद्र गेलड़ा, पदम बिनायकिया, कमल पगारिया, मनोज रांका, राजकुमार पहाड़िया, राजेन्द्र मुणोत, दीपचंद कोठारी, प्रकाशचन्द मेहता, अमित बंसल, बीना रांका, ज्ञानचंद कोठारी, यशवंत रांका, विजयराज मुथा, सुरेन्द्र कोठारी , कांता पालडेचा, विजयलक्ष्मी दक, प्रेमलता आच्छा, नीता दक, रौनक बोहरा, पूजा कोठारी, हर्षिता चौधरी, राजलक्ष्मी धारीवाल, दीपशिखा सकलेचा, रोशनी छाजेड़, रेखा सुराणा, सविता बाबेल, सन्ध्या बोहरा, मंजू बाफना, विनय डोसी आदि गणमान्य नागरिक एवं संस्था सदस्य उपस्थित थे।

जैन सोशल ग्रुप प्लेटिनम जयपुर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

डबल ट्री बाय हिल्टन में जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम जयपुर का शपथ ग्रहण कार्यक्रम भव्य रुप से संपन्न हुआ इसमें मुख्य अतिथि जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के चेयरमैन महेंद्र कुमार सिंघवी, रीजन फाउंडर चेयरमैन एवं पूर्व प्रेजिडेंट जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन राकेश जैन, नॉर्दन रीजन के चेयरमैन इलेक्ट राजीव पाटनी एवं जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के सचिव व फाउंडर प्रेसिडेंट जैन सोशल ग्रुप प्लैटिनम जयपुर के सिद्धार्थ जैन मौजूद थे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की अध्यक्षता राकेश जैन एवं महेंद्र कुमार सिंघवी ने की ।कार्यकारिणी की शपथ चेयरमैन इलेक्ट राजीव पाटनी ने करवाई ।ऑफिस वेयरर की शपथ वर्तमान चेयरमैन महेंद्र कुमार जी सिंघवी ने पूर्ण करवाई जिसमें फाउंडर प्रेसिडेंट के रूप में सिद्धार्थ वर्षा जैन ,वाइस प्रेसिडेंट राजेश रश्मि मुसल, सचिव पद पर दीपक नेहा सेठिया, संयुक्त सचिव पद पर अदिति विशाल बोहरा, कोषाध्यक्ष विकेश अंजुला लोढा ने शपथ ली। अध्यक्ष पद की शपथ राकेश जैन ने आशीष जयश्री कोठारी को दिलवाई एवं सत्र 2023 25 के लिए अपनी शुभकामनाएं एवं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया। तत्पश्चात फाउंडर प्रेसिडेंट एवं रीजन सचिव सिद्धार्थ जैन एवं नवनियुक्त अध्यक्ष आशीष कोठारी ने सभी प्लैटिनम मेंबर को भी शपथ दिलवाई। इस भव्य समारोह में अंताक्षरी फ्रेम श्रीमती रितिका एवं मितेंद्र जैन ने अविश्वसनीय अंदाज में फंताक्षरी का आयोजन किया और सभी मेंबर्स को बहुत एंजॉय करवाया रात्रि में सभी मेंबर ने डांस और म्यूजिक का लुफ्त उठाया। नवनियुक्त सचिव दीपक सेठिया ने सभी को अभिवादन कर धन्यवाद ज्ञापन दिया।

समाज के लिए जनकल्याणकारी बहुउद्देशीय जैनम मेगा फेयर होगा 28 मई को आयोजित

एक ही छत के नीचे जॉब, कैरियर काउन्सलिंग, विवाह योग्य युवक युवतियों के अभिभावकों को मिलाने सहित कई कार्य। मेगा फेयर के लिए पंजीकरण नि:शुल्क

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज समिति, टोंक रोड संभाग व समाज की विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से द्वितीय बहुउद्देशीय जैनम मेगा फेयर का आयोजन 28 मई रविवार को कीर्ति नगर जैन मन्दिर में किया जाएगा। समिति के मुख्य संयोजक पदम जैन बिलाला, मुख्य प्रभारी जगदीश जैन व उप मुख्य प्रभारी अनिल जैन छाबड़ा ने बताया की इस फेयर में प्रत्येक बेरोजगार की योग्यता अनुसार रोजगार अवसर, कैरियर काउन्सलिंग, विवाह हेतु अविवाहित विधुर विधवा परित्यकताओ के पंजीकरण के साथ अभिभावकों को मिलाना जैसे कई सामाजिक कार्य एक ही छत के नीचे किए जाएँगे। फेयर के लिए सभी का पंजीकरण निःशुल्क होगा तथा फेयर में आधुनिक तकनीक के साथ प्रशिक्षित कार्यकर्ताओ द्वारा व्यवस्थित रूप से सभी कार्य किए जाएँगे। जैनम मेगा फेयर का उद्घाटन समाज श्रेष्ठी पदम चंद अतुल कुमार सेठी द्वारा किया जाएगा। जैनम मेगा फेयर टोंक रोड संभाग के जैन मंदिरो के सभी पदाधिकारियों का एक सामूहिक सामाजिक जन कल्याण का नियमित प्रयास है। फेयर में जैन सिटीजन फाउंडेशन, जैन बैंकर्स फोरम,जैन परिवार प्रगति संस्थान, व राजस्थान जैन ऑर्गनाइजेशन आदि का पूर्ण सहयोग रहता है।

जैनम मेगा फेयर का उद्घाटन समाज श्रेष्ठी पदम चंद अतुल कुमार सेठी द्वारा किया जाएगा...

बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी की मीटिंग संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। स्वाध्याय भवन में बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी की मीटिंग आयोजित की गई। अध्यक्षता सुरेंद्र कुमार छाबड़ा ने की। डॉ नीरज जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि मोक्ष रथ के लिए सकल दिगंबर जैन समाज का अथक सहयोग रहा। इस क्रम में एंबुलेंस के लिए भी भीलवाड़ा के प्रत्येक घरों से आर्थिक सहयोग लेने की आवश्यकता है। इसके लिए एक निर्धारित कार्यक्रम बनाकर सकल दिगंबर जैन समाज से आर्थिक सहयोग लेने का प्रयास किया जाएगा। डॉ नीरज जैन ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया कि स्वाध्याय भवन में सप्ताह में एक बार डॉक्टर स्टाफ का आउटडोर लगाया जाए। जिसमें फिजिशियन, ऑर्थोपेडिक, बच्चों, गायनिक, आदि डॉक्टर्स स्टाफ स्वाध्याय भवन में अपनी सेवाएं देंगे। परामर्श निशुल्क रहेगा। दवाइयां भी निशुल्क मिले, उसका प्रयास किया जाएगा। सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से इस अनूठे कार्यक्रम का अभिवादन किया। सुरेंद्र कुमार छाबड़ा ने कहा कि एंबुलेंस के लिए मानव सेवा कार्य में समाज को बढ़-चढ़कर आर्थिक सहयोग देना चाहिए। इस पुनीत कार्य द्वारा समाज को एंबुलेंस सुविधा का लाभ मिल सकेगा। चिरंजीव चौधरी, अशोक छाबड़ा, पूनम चंद सेठी, एन .सी.जैन, हीराचंद चांदीवाल आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

राजस्थान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने बड़ा जैन मंदिर के दर्शन किए

राज पाटनी. शाबाश इंडिया

लाडनूं। राजस्थान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी ने दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के दर्शन किए वे जैन विश्व भारती में आयोजित प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने के लिए लाडनूं आये थे। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों ने सीपी जोशी का अभिनंदन किया। सीपी जोशी बड़ा मंदिर की प्राचीनता कलात्मकता व भव्यता से अत्यंत प्रभावित हुए।

ट्रस्ट ने लगाए अनोखे परिन्डा

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश में लगातार बढ़ती गर्मी कारण आज हर एक जीव की स्थिति दयनीय है इसी में एक जीव समूह है पक्षी, गर्मी के कारण पक्षियों को प्यास बुझाने के लिए पानी व भर पेट भोजन नही मिल पाता है। जिसके कारण आये दिन पक्षियों की मौत हो जाती हैं इन्हें भूखा प्यासा नही मरना पडे इसके लिए कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट ने आप सभी जन प्रतिनिधि और आम जनता के सहयोग से एक अभियान (कोशिश) शुरू कि थी परिंडा अभियान इस अभियान के माध्यम से गत सात बर्षो में ट्रस्ट करीब 3500 परिंडे जयपूर शहर के भिन्न भिन्न मन्दिरों व पार्कों में लगा चुका है। यह एक अनोखा परिन्डा है, जिस में ऊपर दाना और नीचे पानी दोनों ही की व्यवस्था होती है। इसी क्रम में 21 मई रविवार 2023 को सुबह 8:30 बजे गुरु जगम्बेस्वर कॉलोनी गांधी पथ रोड वैशाली नगर, जयपुर के पार्क में संस्था के सभी साधक व पदाधिकारी व कालोनी वासीयो की उपस्थिति में परिंडे लगाए गए।

सत्य भारती स्किल फेस्ट में भाषा कौशल पर जोर

कुई इंदा. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई इंदा व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अजबार में प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता वर्गी की प्रेरणा पर विद्यार्थियों के लिए सत्य भारती स्किल फेस्ट में हिंदी / अंग्रेजी स्पीकिंग पर जोर दिया गया। यह सत्य भारती स्किल फेस्ट 17 मई से शुरू होकर 22 मई तक जारी रहेगा जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों से लाइब्रेरी की पुस्तकों से कोई भी चित्र बनाकर लाने को दिया गया, फिर उस चित्र के आधार पर बच्चों से हिंदी व अंग्रेजी में अपनी स्वरचित कहानियों को बनाने को बोला गया। इस गतिविधियों को विद्यार्थियों ने बहुत खूबी से पूरा किया और बढ़ चढ़कर स्वरचित कविताएं और कहानियां हिंदी और अंग्रेजी भाषा में सुनाई। विद्यालय के अध्यापक धमार्राम मेघवाल के अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों ने अपने मारवाड़ी अंदाज में भी इसको बहुत अच्छी तरीके से क्रियान्वित करके दिखाया। इस सत्य भारती स्किल फेस्ट का उद्देश्य छुट्टियों के दौरान विद्यार्थियों को खेल-खेल में उनकी अंदरूनी क्षमताओं को निखारने का एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाता है। भारती फाउंडेशन के एकेडमिक मेंटर पुनीत भटनागर ने बताया कि सत्य भारती स्कूल फेस्ट के दौरान विद्यार्थियों को कई सारी पुस्तकें उनको घर ले जाने को दी गई हैं, और इन छुट्टियों के दौरान इन विद्यार्थियों को उसका भरपूर उपयोग करने को बोला गया है। इसके अतिरिक्त छोटी-छोटी. गतिविधियों के माध्यम से इन विद्यार्थियों को सोचने की क्षमता को भी निखारने का प्रयास किया जा रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com